खबर संक्षेप

करंट बिछाकर बेकसूर वन्य जीवों का शिकार करने की साजिश नाकाम



जयसिंहनगर जंगल में वन विभाग का बड़ा छापा

डॉग स्क्वाड की मदद से तीन शिकारी गिरफ्तार

कोर्ट ने भेजा जेल

शहडोल। जिले के जंगलों में मूक-बेजुबान वन्यजीवों की जान के प्यासे शिकारियों के नापाक मंसूबों पर वन विभाग ने पानी फेर दिया है। जयसिंहनगर वन परिक्षेत्र के जंगलों में करंट प्रवाहित कर खूंखार तरीके से वन्यजीवों का शिकार करने की बड़ी साजिश रची जा रही थी, लेकिन गश्ती दल की मुस्तैदी और डॉग स्क्वाड की तकनीकी दक्षता ने शिकारियों के खेल को बेनकाब कर दिया। वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन शातिर शिकारियों को धर दबोचा है। न्यायालय ने तीनों आरोपियों की जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें सलाखों के पीछे (जेलों) भेज दिया है।

जंगल में बिछाया गया था मौत का जाल

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जयसिंहनगर वन परिक्षेत्र में वन विभाग का अमला नियमित गश्त पर निकला था। इसी दौरान गश्ती दल की नजर जंगल के भीतर संदिग्ध गतिविधियों और अवैध रूप से गाड़े गए बांस की खूंटियों तथा जीआई (लोहे के) तारों पर पड़ी। प्राथमिक जांच में यह बात खुलकर सामने आ गई कि इन तारों में जानलेवा करंट प्रवाहित कर जंगली जानवरों का शिकार करने की खतरनाक योजना बनाई गई थी। हालांकि, वन कर्मियों को देखते ही वहां मौजूद संदिग्ध मौके से दुम दबाकर फरार हो गए।

डॉग स्क्वाड और मुखबिर तंत्र ने बिछाया जाल

घटना की नजाकत को भांपते हुए वन विभाग की टीम ने पूरे इलाके को अपनी घेरबंदी में ले लिया और वरिष्ठ अधिकारियों को इस हाई-प्रोफाइल वन्यजीव अपराध की सूचना दी। गश्त के दौरान जंगल में करंट वाले जीआई तार और बांस मिलें, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर मौके पर विशेष डॉग स्क्वाड को बुलाया गया, खोजी कुत्ते की सुंघाकर तलाश और मुखबिर तंत्र से मिले इनपुट के आधार पर दबिश देकर तीन आरोपियों सुरेश कोल, माखन बैगा और रामसुफल बैगा को दबोचा गया। अधिकारियों के मार्गदर्शन में अगले दिन घटनास्थल पर डॉग स्क्वाड (खोजी कुत्ता) को उतारा गया। खोजी कुत्ते ने गंध के आधार पर घटनास्थल से संदिग्धों के ठिकानों तक पहुंचने का रास्ता तलाश लिया। इसके बाद सक्रिय किए गए मुखबिर तंत्र से पुख्ता सुराग मिले, जिसके आधार पर पुलिस-वन अमले की संयुक्त टीम ने रात में दबिश देकर तीन आरोपियों को दबोच लिया।

कोर्ट ने खारिज की जमानत सीधे भेजे गए जेल

वन विभाग की टीम ने तीनों आरोपियों को जयसिंहनगर के स्थानीय न्यायालय में पेश किया। मामले की गंभीरता और वन्यजीवों की सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील पहलू को देखते हुए न्यायाधीश सुश्री लघुता मरकाम ने तीनों आरोपियों की जमानत अर्जी सिरे से खारिज कर दी और उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजने के कड़े आदेश दिए। यह पूरी कार्रवाई वनसंरक्षक एम.पी. सिंह, वनमंडलाधिकारी तरुणा वर्मा और उपवनमंडलाधिकारी डॉ. गौरव सक्सेना के कुशल मार्गदर्शन तथा वन परिक्षेत्राधिकारी ए.के. निगम के नेतृत्व में गठित गश्ती दल की मुस्तैदी से पूरी की गई है। इस कार्रवाई के बाद से इलाके के अन्य शिकारियों में हड़कंप मच गया है।

स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन का जायजा लेने ग्राम अतारिया, नवलपुर और नरगी पहुंचे कलेक्टर

स्वामित्व संबंधी अभिलेख उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे कार्यों का किया निरीक्षण

शहडोल। स्वामित्व योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रगति का जायजा लेने के लिए कलेक्टर शहडोल ने ग्राम अतारिया, नवलपुर और नरगी का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण कर क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि का सर्वेक्षण कर संपत्ति के स्वामित्व संबंधी अभिलेख तैयार करना तथा पात्र ग्रामीणों को उनकी भूमि के अधिकार संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराना है। योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के स्वामित्व का प्रमाण प्राप्त करने, संपत्ति संबंधी विवादों को कम करने तथा संपत्ति का आर्थिक उपयोग करने में सहायता मिलती है।

गुंडागर्दी के दम पर सड़क पर तांडव कर रही महाकाल मिनरल्स कंपनी

उमरिया के पिपरिया नाका पर रेत के अवैध खेल में भिड़े कंपनी के कारिंदे और ग्रामीण

उमरिया।

जिले की धरती पर खनिज संपदा को लूटने के लिए बेकाबू हो चुकी रेत ठेका कंपनी महाकाल मिनरल्स (बाबा महाकाल मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड) के कारिंदों का आतंक अब आम जनता की जान पर भारी पडऩे लगा है। जिले के नेशनल हाईवे-43 स्थित पिपरिया नाका पर बुधवार को जो खूनी संघर्ष और कोहराम मचा, उसने साफ कर दिया है कि यह कंपनी नियमों के दायरे में रहकर व्यापार करने के बजाय इलाकों में अपनी समानांतर दादागिरी और गुण्डागर्दी चला रही है। रेत के अवैध परिवहन को लेकर कंपनी के कर्मचारियों और स्थानीय ग्रामीणों के बीच उपजा विवाद इस बात का प्रमाण है कि ये लोग सडक़ पर कानून को अपने हाथ में लेने से भी नहीं हिचकिचा रहे हैं। सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि जिले में लूटपाट और तांडव मचाने वाली इस महाकाल मिनरल्स कंपनी के पास आखिर ऐसे कौन से दबंग और आपराधिक प्रवृत्ति के लोग काम कर रहे हैं, जिनका आज तक स्थानीय पुलिस थानों में कोई पुलिस सत्यापन तक नहीं कराया गया है? क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है?





सडक पर सरेआम चली लाठियां और गालियां

घटनाक्रम के मुताबिक, बुधवार को पिपरिया नाका के उस व्यस्त मार्ग से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली गुजर रही थी। तभी महाकाल मिनरल्स कंपनी का कारिंदा जीतू सिंह अपनी कथित दबंगई दिखाते हुए बीच सडक़ पर आ गया और ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास किया। बस, फिर क्या था; वाहन रोकने की इस आड़ में मौके पर ऐसा तमाशा और विवाद भडक़ा कि देखते ही देखते पूरा नेशनल हाईवे छावनी में तब्दील हो गया। दोनों पक्षों के बीच तीखी झड़प, भयंकर गाली-गलौज और ताबड़तोड़ मारपीट के आरोपों ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। मुख्य मार्ग पर मचे इस हंगामे के कारण वहां से गुजरने वाले आम राहगीर, महिलाएं और बच्चे बुरी तरह सहम गए। प्रत्यक्षदर्शियों का साफ कहना है कि कंपनी के कर्मचारी खुद को कानून से ऊपर समझने लगे हैं और राह चलते लोगों के साथ मारपीट पर उतारू हो जाते हैं।

बिना पुलिस सत्यापन के उमरिया में कैसे घूम रहे कंपनी के गुर्गे?

इस पूरी घटना ने महाकाल मिनरल्स (बाबा महाकाल मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड) की कार्यप्रणाली पर सबसे बड़ा और काला धब्बा लगा दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या उमरिया जिले में ठेका पाने वाली इस कंपनी को खुली छूट मिल गई है कि वह बाहर से किसी भी आपराधिक या संदेहास्पद प्रवृत्ति के व्यक्ति को लाकर अपने यहां गार्ड या कर्मचारी के रूप में रख ले? क्या कंपनी ने अपने तमाम कर्मचारियों, बाउंसरों और कारिंदों का स्थानीय थानों में पुलिस सत्यापन कराया है? यदि पुलिस सत्यापन नहीं हुआ है, तो बिना तस्दीक के कंपनी के ये नुमाइंदे किस अधिकार के तहत आम नागरिकों को रोकते हैं और उन पर हाथ उठाते हैं? क्या खनिज विभाग और पुलिस प्रशासन की आंखें तब खुलेंगी जब ये अवैध कारिंदे किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम दे देंगे? ग्रामीणों का आरोप है कि महाकाल मिनरल्स के कर्मचारी अपनी कथित चेकपोस्टों की आड़ में मनमानी वसूली और आतंक का माहौल पैदा कर रहे हैं, जिससे आम जनता का जीना मुहाल हो गया है।

थाने पहुंची महाकाल मिनरल्स की दादागिरी

विवाद इतना बढ़ा कि मामला कोतवाली थाने तक जा पहुंचा। एक तरफ जहां कंपनी के कारिंदे अपनी खाल बचाने और लीपापोती करने थाने दौड़ पड़े, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय ग्रामीण सुमित राय ने डंके की चोट पर कंपनी के कर्मचारियों की गुंडागर्दी, डराने-धमकाने और अभद्र भाषा के प्रयोग के खिलाफ तीखी शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों ने दोटूक शब्दों में चेतावनी दी है कि महाकाल मिनरल्स के कर्मचारी यदि अपनी हरकतों से बाज नहीं आए, तो जनता सडक़ों पर उतरकर इस अवैध और तानाशाही कंपनी के खिलाफ जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।



कब होगी महाकाल मिनरल्स पर बड़ी कार्रवाई?

पिपरिया नाका की इस घटना ने जिले के प्रशासनिक अमले की कार्यशैली को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। एक तरफ जहां अवैध रेत के परिवहन को लेकर रोज नए खुलासे हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ महाकाल मिनरल्स कंपनी के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं। अब देखना यह होगा कि क्या पुलिस प्रशासन इस मामले में सिर्फ खानापूर्ति कर शांत बैठ जाएगा या फिर महाकाल मिनरल्स (बाबा महाकाल मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड) के दफ्तर और वहां काम करने वाले सभी कर्मचारियों के दस्तावेजों व पुलिस सत्यापन की उच्चस्तरीय जांच करवाकर इन पर शिकंजा कसेगा?

इनका कहना है...

पिपरिया नाका के पास रेत परिवहन के विवाद को लेकर दोनों पक्षों (ग्रामीणों और रेत कंपनी के कर्मचारियों) की ओर से शिकायत प्राप्त हुई है। पुलिस दोनों पक्षों के बयानों और साक्ष्यों के आधार पर बारीकी से जांच कर रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के अनुरूप नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मदनलाल मरावी
थाना प्रभारी
कोतवाली उमरिया

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में रिजल्ट का रफ कॉपी जैसा हाल



80 प्रतिशत विद्यार्थी अनुत्तीर्ण, विरोध में उतरी अभाविप

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय द्वारा घोषित स्नातक प्रथम वर्ष के निराशाजनक परीक्षा परिणामों को लेकर विद्यार्थियों का आक्रोश चरम पर पहुंच गया है। लगभग 80 प्रतिशत छात्र-छात्राओं के पूरक (सप्लीमेंट्री) आने से उपजे भारी असंतोष के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने मोर्चा खोल दिया है। परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने कुलगुरु से मुलाकात कर सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा और परीक्षा व्यवस्था में व्याप्त गंभीर धांधलियों पर कड़ा एतराज जताया। अभाविप ने दोटूक चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर मांगों का पारदर्शी समाधान नहीं निकाला गया, तो विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर तालाबंदी कर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

जबलपुर में उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन बना गले की फांस

विद्यार्थी परिषद ने आरोप लगाया कि बीते वर्ष भी बड़े पैमाने पर विद्यार्थियों को अनुत्तीर्ण किया गया था। उस समय जबलपुर में उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन की व्यवस्था पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया था, जिस पर प्रशासन ने पुनर्विचार का भरोसा दिया था। इसके बावजूद पुनः कॉपियों को बाहर भेजकर जांच कराने की प्रक्रिया जारी रखी गई, जिसके कारण परिणामों में भारी गड़बडिय़ां सामने आई हैं।

1,600 रुपये पूरक शुल्क बना आर्थिक बोझ

अभाविप ने पूरक परीक्षा के नाम पर वसूले जा रहे भारी-भरकम शुल्क को छात्रों का शोषण करार दिया है। परिषद के अनुसार सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों से प्रति विषय 1,600 रुपये वसूलना सरासर अन्याय है। मांग की गई है कि इस राशि को घटाकर 600 रुपये किया जाए और शुल्क निर्धारण का स्पष्ट आधार सार्वजनिक हो।

उपस्थित रहने पर भी अनुपस्थित

ज्ञापन में उजागर किया गया कि कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां छात्र-छात्राओं ने मुख्य परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा और सतत मूल्यांकन (सीसीई) में भाग लिया था, लेकिन परिणाम में उन्हें अनुपस्थित दर्शाकर पूरक घोषित कर दिया गया। अभाविप ने इस प्रकार की लिपिकीय और तकनीकी त्रुटियों को तीन दिनों के भीतर सुधारने की समय-सीमा तय की है। ज्ञापन सौंपते समय अभाविप के जिला संयोजक अमन त्रिपाठी, निधि पांडेय, गौरव मिश्रा, विक्रांत शर्मा, अमन यादव, जीतू यादव, अभिषेक यादव, खुशी सिंह, आंचल कोल सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नशीली कफ सिरप की तस्करी का भंडाफोड

कार और सिरप समेत 10.35 लाख का माल जब्त, 2 गिरफ्तार

शहडोल।

जिले में अवैध नशीली दवाइयों और मादक पदार्थों के काले कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में ब्यौहारी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने घेराबंदी कर नशीली कफ सिरप का अवैध परिवहन कर रही एक लग्जरी कार को दबोचा है। मौके से 50 शीशी प्रतिबंधित कफ सिरप, तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार और एक मोबाइल जब्त किया गया है। बरामद सामग्री का कुल बाजार मूल्य लगभग 10 लाख 35 हजार रुपये आंका गया है। पुलिस ने दो तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है, जबकि गिरोह का एक अन्य सदस्य अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा।



रीवा से ब्यौहारी लाई जा रही थी नशे की खेप

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल के सख्त निर्देशों पर जिलेभर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पैनी निगरानी रखी जा रही है। 22 अक्टूबर 2026 की रात थाना प्रभारी को गुप्त सूचना मिली कि रीवा की ओर से आ रही कार (क्रमांक एमपी-17 सीसी-9214) में प्रतिबंधित नशीली दवाओं की बड़ी खेप ब्यौहारी क्षेत्र में खपाने के इरादे से लाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बोकरा तिराहा मुख्य मार्ग पर पिकेट लगाकर घेराबंदी की। संदिग्ध कार के पहुंचते ही उसे रोककर जब सघन तलाशी ली गई, तो पिछली सीट के नीचे छिपाकर रखी गई बोरी से 100-100 मिलीलीटर की 50 शीशी नशीली कफ सिरप (ओहम्स कैंडीकफ) बरामद हुई।

मुनाफाखोरी के लिए युवाओं को नशे में धकेलने की साजिश

प्रारंभिक पूछताछ और जांच में यह कड़वा सच सामने आया है कि तस्कर इस प्रतिबंधित दवा को रीवा से सस्ते दामों पर खरीदकर लाए थे। वे इसे ब्यौहारी और आसपास के ग्रामीण इलाकों में युवाओं को ऊंचे दामों पर बेचकर अवैध मुनाफा कमाना चाहते थे। पुलिस ने रीवा निवासी मिथिलेश मिश्रा और ब्यौहारी (सूखा रोड) निवासी विक्रांत वर्मा को मौके पर ही हिरासत में ले लिया।

अंतरराज्यीय तार खंगालने में जुटी पुलिस

पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) की धारा 8/21, 22 तथा मध्य प्रदेश औषधि नियंत्रण अधिनियम की धारा 5/13 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि रीवा में इस गिरोह को दवाइयों की आपूर्ति कौन कर रहा था और इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन से बड़े नाम शामिल हैं।

सफलता दिलाने वाली पुलिस टीम

इस सफल कार्रवाई में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) ब्यौहारी ऋषभ छारी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक अभिलाष मिश्रा के कुशल नेतृत्व में सहायक उप-निरीक्षक गया प्रसाद कन्नौजे, प्रधान आरक्षक अनिल सिंह, आरक्षक पंकज मेहरा, अभिषेक, ऋषभ शुक्ला, विवेक सूर्या एवं साइबर दल के सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

जिस गोद में खिलाकर बड़ा किया, उसी में बेजान बेटा

शहडोल बस स्टैंड पर एक पिता की बेबसी देख रो पड़ा पूरा शहर

शहडोल। सरकारी स्वास्थ्य तंत्र के बड़े-बड़े दावों और निजी अस्पतालों के महंगे इलाज के बीच शहडोल बस स्टैंड से आई एक तस्वीर ने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया है। जिस पिता की आंखें बेटे के स्वस्थ होकर घर लौटने का सपना देख रही थीं, वही पिता अपने जवान बेटे के बेजान जिस्म को गोद में लिए घंटों बस स्टैंड पर बैठा रहा। सीधी जाने वाली बस के इंतजार के दौरान बेटे ने पिता की ही गोद में दम तोड़ दिया। आंखों से बहते आंसू और सीने से लिपटा बेटे का शव, इस खौफनाक और दिल को छलनी कर देने वाले मंजर को जिसने भी देखा, उसकी रूह कांप उठी।



भोपाल से शहडोल तक सांसों की जद्दोजहद

सीधी जिले के मठी थाना क्षेत्र के रहने वाले शेषमणि कोल का बेटा शुभम राज कोल भोपाल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। वह बीते कुछ समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहा था। बेटे की बिगड़ी तबीयत की खबर मिलते ही पिता बदहवास हालत में भोपाल पहुंचे। वहां से वे ट्रेन पकडक़र ब्यौहारी आए और फिर बेहतर इलाज की उम्मीद में बेटे को शहडोल के विजय किरन अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टरों ने बताया कि शुभम के फेफड़े गंभीर रूप से संक्रमित हैं। आवश्यक प्राथमिक उपचार और दवाएं देने के बाद परिजनों को उसे घर ले जाने की सलाह दी गई।

घर पहुंचने से पहले ही उजड़ गई दुनिया

अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद शेषमणि अपने बेटे को लेकर सीधी लौटने के लिए शहडोल बस स्टैंड पहुंचे। वे बस के आने का इंतजार ही कर रहे थे कि अचानक शुभम की तबीयत बिगड़ी और देखते ही देखते उसकी सांसें थम गईं। जिस बेटे को स्वस्थ देखने की आस में पिता एक शहर से दूसरे शहर भटकता रहा, आखिरकार उसी बेटे का शव उसकी गोद में आ गिरा। घटना के बाद बदहवास पिता ने जैसे-तैसे फोन कर निजी वाहन का प्रबंध किया और रोते-बिलखते हुए अपने गांव के लिए रवाना हुआ।

सवाल व्यवस्था और संवेदनशीलता का

यद्यपि पीड़ित पिता ने अस्पताल प्रबंधन या डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का कोई सीधा आरोप नहीं लगाया है, फिर भी यह मर्माहत करने वाली घटना हमारी स्वास्थ्य सेवाओं और गंभीर मरीजों को डिस्चार्ज करने की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करती है। अति-गंभीर स्थिति में मरीज को अस्पताल से छुट्टी देने और उसके परिवहन को लेकर अधिक संवेदनशीलता की जरूरत पर यह घटना एक कड़वी सच्चाई बयां कर रही है।

यार्ड से बैटरियां और क्रेन का सामान पार करने वाला गिरोह धराया

1 लाख का माल बरामद, 4 आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र के प्रकाश पेट्रोल पंप के पास स्थित मैको कॉर्पोरेशन वाहन यार्ड में हुई बड़ी चोरी का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। 19 और 20 अक्टूबर 2026 की दरमियानी रात चोरों ने यार्ड में खड़े 8 ट्रेलरों और एक क्रेन से भारी मात्रा में उपकरण पार कर दिए थे। बुढ़ार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले का खुलासा किया और गिरोह के 4 सदस्यों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से लगभग 1 लाख रुपये मूल्य का चोरी हुआ सामान बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक विधि विरुद्ध बालक भी शामिल है।

ढाई लाख की संपत्ति पर बोला था धावा

पुलिस के अनुसार धनपुरी निवासी फरियादी अभिलाष कुमार वर्मा ने 20 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोरों ने यार्ड का ताला/सुरक्षा भेदकर 18 बैटरियां, जैक, रिंच-पाना, चेन, बेल्ट, क्रेन का महंगा प्रदर्शन पटल (डिस्प्ले) और डीजल सहित अन्य सामग्री पार कर दी है। चोरी गए सामान की कुल अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये थी। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर बुढ़ार थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया।

गुप्त सूचना पर घेराबंदी, 4 हत्थे चढ़े

पुलिस टीम ने संदेहियों की सूची तैयार की और गुप्त सूचना तंत्र को सक्रिय किया। सटीक जानकारी मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर संदेहियों को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ के दौरान आरोपियों ने यार्ड में चोरी की बात कबूल कर ली। चोरों के पास से 08 चोरी की बैटरियां, 03 हेलमेट, जैक, पट्टा एवं अन्य यांत्रिक उपकरण कुल 1 लाख रुपये का माल बरामद हुआ है। गिफ्तार आरोपियों में कमल सिंह भदौरिया उम्र 18 वर्ष 5 माह निवासी भुतही मोहल्ला, वार्ड क्रमांक 01, बुढ़ार, मोबीन खान उम्र 22 वर्ष निवासी राजा होटल के पीछे, वार्ड क्रमांक 08, बुढ़ार, अलीशान खान उम्र 23 वर्ष निवासी जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़), हाल निवासी वार्ड क्रमांक 11, बुढ़ार, एक विधि विरुद्ध बालक निवासी भुतही मोहल्ला, बुढ़ार, पुलिस ने तीन वयस्क आरोपियों को बुढ़ार न्यायालय के समक्ष पेश किया, जबकि नाबालिग को किशोर न्याय बोर्ड, शहडोल के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस त्वरित सफलता और खुलासे में थाना प्रभारी निरीक्षक खेम सिंह पैंद्रो के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रजनीश तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक क्लामेंट जॉन, सहायक उपनिरीक्षक राजा भैया बागरी, सहायक उपनिरीक्षक गिरीश शुक्ला, प्रधान आरक्षक अमर बागरी, प्रधान आरक्षक दशरथ एवं बुढ़ार थाने के अन्य पुलिस कर्मियों का सराहनीय योगदान रहा।

खबर संक्षेप



सिकल सेल एनीमिया जांच शिविर एवं उपचार का किया गया आयोजन

कोतमा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा मे 22 अक्टूबर गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग अनूपपुर, आयुष विभाग अनूपपुर ,एवं जन स्वास्थ्य गनियारी संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में एक दिवसीय सिकल सेल एनीमिया शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 61 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया शिविर मे डॉक्टर संगीता प्रजापति द्वारा प्रत्येक मरीज की जांच की गई एवं उन्हें सिकल सेल के लक्षण बचाव प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रत्येक मरीज को आवश्यक दवाइयां के साथ-साथ सहायक आयुर्वेदिक औषधियां च च्यवनप्राश, अश्वगंधा चूर्ण रसना सप्तक काढा, त्रिकटु चूर्ण एवं आवश्यक आधुनिक औषधियां जैसे हाइड्रोक्सी यूरिया, फोलिक एसिड औषधियां प्रदान की गई। फर्स्ट डोस के एक मरीज को वैक्सीनेशन किया गया। शिविर को सफल बनाने में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर केएल दीवान का मुख्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं गनियारी संस्था से पवन गुप्ता, लक्ष्मी, आरती, बेसनी, ममता, सीमा, बसंती की सेवा सराहनी रही।

आज मानपुर में होगा मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर का आयोजन

उमरिया। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 8 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह व्दारा मानपुर नगर परिषद के समस्त वार्डों का 23 अक्टूबर को भ्रमण किया जाएगा। तद्पुरांत दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक मानपुर में आयोजित जन संवाद स्थल में विभागीय अधिकारी उपस्थित होकर अपने अपने विभाग के किए गए निरीक्षण की विस्तृत जानकारी से अवगत कराएंगे तथा शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। इस अवसर पर संबंधित विभागीय आवेदनों एवं शिकायतों का निराकरण भी किया जाएगा।

युवा संगम रोजगार मेला आज

उमरिया। युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन 23 अक्टूबर को प्रातरू 11 बजे से रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन में किया गया है। जिला रोजगार अधिकारी अमन दुबे ने बताया कि मेले मे रावया फ्रोर्स प्राइवेट लिमिटेड, फूड क्रोफज इंस्ट्रीट्यूट शहडोल, श्री राम फायनेंस उमरिया, रस्तोगी स्किल्स भिलाई, प्रथम एजुकेशन जबलपुर, वर्धमान मंडी दीप भोपाल, एलआईसी उमरिया, ग्रेट ओरेगेनिक डायमंड पत. लिमिटेड, परफेक्ट सलूशन सर्विसेज अहमदाबाद,गोल्डन आर्गेनिक एग्रीकल्चर लिमिटेड , विंन्ध्याग्रुप आफ जाब प्लेसमेंट , एस आई एस प्रशिक्षण केंद्र अनूपपुर तथा नेचर क्राप साइंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी भाग लेगी।

खरीफ समीक्षा एवं रबी की पूर्व तैयारी के संबंध में बैठक संपन्न

कोदो कुटकी के पंजीयन कार्य में गति लाएं: कलेक्टर

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खरीफ 2026 की समीक्षा एवं रबी 2026-27 की पूर्व तैयारी, बीज व्यवस्था, नरवाई प्रबंधन, कोदो कुटकी पंजीयन एवं फसल उपार्जन संबंधी बैठक संपन्न हुई। बैठक में कोदो कुटकी के पंजीयन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि पंजीयन का कार्य आगामी 5 नवंबर तक किया जाना है। अभी तक कम संख्या में किसानों व्दारा अपना पंजीयन कराया गया है। कलेक्टर ने कम पंजीयन होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि समस्त कृषि विस्तार अधिकारियों को लक्ष्य प्रदान किया जाए एवं प्रगति की जानकारी से प्रतिदिन अवगत कराया जाए। इस कार्य को प्राथमिकता करते हुए कार्य में प्रगति लाएं।



कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए। उन्हें जागरूक किया जाए कि फसल कटाई के बाद खेतों में बचे फसल अवशेषों (नरवाई) को जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है तथा मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं। इससे पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है और वायु की गुणवत्ता प्रभावित होती है। नरवाई जलाने से आग आसपास के खेतों तक फैलने, खड़ी फसलों, पेड़-पौधों एवं अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचने की आशंका भी रहती है।

उन्होंने कहा कि किसानों को नरवाई के उचित प्रबंधन के लिए जागरूक करते हुए फसल अवशेषों का उपयोग जैविक खाद बनाने तथा कृषि यंत्रों की सहायता से खेतों में ही प्रबंधन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसके बावजूद यदि किसी किसान द्वारा नरवाई जलाने का कार्य किया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध प्रचलित नियमों एवं शासन के निर्देशों के तहत विधिवत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। नरवाई के जलाने की सूचना मिलते ही ब्लाक अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचकर विधिवत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बीज व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि बोनी के पूर्व समस्त प्रकार के बीज की व्यवस्था कर ली जाए, ताकि किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना नही करना पडे। उन्होने हैप्पी सीडर, सुपर सीडर प्रदाय की भी समीक्षा की तथा कहा कि किसानों को उन्नत कृषि यंत्रों के उपयोग के लिए जागरूक किया जाए। कलेक्टर ने रबी सीजन में विभाग व्दारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य योजना बनानें के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि कृषि के साथ ही अन्य सम्बध्द विभाग भी अपनी आगामी कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण करें। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत जिला पंचायत अभय सिंह, उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाए, सहायक संचालक उद्यानिकी झनक सिंह मरावी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयसिंहनगर में हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व

भगवान श्रीराम की जयकारों से गूंजा परिसर संदीपनी विद्यालय प्रांगण में नगर परिषद के तत्वावधान में हुआ दशहरा महोत्सव का आयोजन राम-रावण संवाद रहा आकर्षण का केंद्र

जयसिंहनगर। नगर में विजयादशमी का पर्व इस वर्ष भी हर्षोल्लास, उत्साह और पारंपरिक धूमधाम के साथ मनाया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर परिषद जयसिंहनगर के तत्वावधान में संदीपनी विद्यालय के प्रांगण में दशहरा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चक्रधारी शुक्ला ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रभु श्रीराम की प्रतिमा पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ हुआ। इसके पश्चात राम-रावण संवाद का मंचन किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर अतिथियों ने अपने उद्बोधन के माध्यम से दशहरा पर्व की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए भगवान श्रीराम के आदर्शों,



सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने तथा बुराई पर अच्छाई की विजय के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया। दशहरा पर्व भारतीय संस्कृति, आस्था और मर्यादा का प्रतीक है। यह पर्व हमें सिखाता है कि असत्य और अधर्म कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। भगवान श्रीराम का जीवन आदर्श, कर्तव्यनिष्ठा, त्याग और मर्यादा का संदेश देता है, जिसे प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चक्रधारी शुक्ला, भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य अरुण गौतम, पूर्व जिला उपाध्यक्ष सातिका प्रसाद तिवारी, भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य रामनारायण पांडेय, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सेवा निवृत्त प्राचार्य सनत पांडेय, भाजपा के वरिष्ठ नेता जयप्रकाश पांडेय, सांसद प्रतिनिधि रावेंद्र शर्मा, आदेश शुक्ला, रामलाल खटिक, दादू रामनिवास तिवारी, तहसीलदार जयसिंहनगर , एवं नगर परिषद जयसिंहनगर के पार्षद गण, तथा समाज सेवी रोहिणी शुक्ला, विजय दुबे, मीडिया से पंकज पाण्डेय, राकेश गुप्ता, समाज सेवी मुकेश गौतम, नितेश द्विवेदी, अजय तिवारी, अंकित द्विवेदी, संतोष चतुर्वेदी सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं नगरवासी उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन पंडित राजीव द्विवेदी ने किया। नगर में आयोजित इस दशहरा महोत्सव ने धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति लोगों के उत्साह को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पर्व की खुशियां साझा करते हुए भगवान श्रीराम के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कोतमा में 40 फीट के रावण का दहन, जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा दशहरा मैदान

कोतमा। असत्य पर सत्य की विजय का पर्व विजयादशमी कोतमा में धूमधाम से मनाया गया। ठाकुर बाबा धाम मंदिर के पास स्थित दशहरा मैदान में नगर पालिका द्वारा 40 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन कराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे और आतिशबाजी के बीच जय श्रीराम के जयघोष से मैदान गूंज उठा। नगर पालिका अध्यक्ष अजय कुमार सराफ के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के लिए आकर्षक लाइटिंग और आतिशबाजी की व्यवस्था की गई थी। देवगवां की रसिक रामलीला मंडली ने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमान, रावण, मारीच और बाणासुर की सजीव झांकियां



प्रस्तुत कीं। चल समारोह नगर भ्रमण के बाद दशहरा मैदान पहुंचा, जहां रामलीला के पात्रों के बीच संवाद मंचन किया गया। इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष अजय कुमार सराफ ने भगवान श्रीराम की आरती उतारकर पूजन किया। तत्पश्चात भगवान श्रीराम ने धनुष-बाण चलाकर रावण के पुतले का दहन किया। रावण का पुतला धू-धू कर जल उठा और लोगों ने आतिशबाजी का आनंद लिया। रामलीला मंडली के संचालक गजेंद्र शुक्ला और व्यवस्थापक तीरथ शुक्ला के मार्गदर्शन में शैलेन्द्र शुक्ला, संतोष, अनुज, अम्बुज, ज्ञानेंद्र राम, हरिओम शुक्ला, कालिया, अखिलेश यादव, दीपक, बीरेन्द्र, श्रीकांत, विकास, शिवदत्त और संदीप व्यास सहित अन्य कलाकारों ने विभिन्न भूमिकाएं निभाईं। पंडित रामभजन शुक्ला भी आयोजन से जुड़े रहे कलाकारों की प्रस्तुति की नगरवासियों ने सराहना की।

जमुना कॉलरी से अमरकंटक के लिए निकली मां दुर्गा की पैदल रथ यात्रा

देखल में श्रद्धालुओं का स्वागत

बदरा/जमुना। जमुना कॉलरी से मां दुर्गा की प्रतिमा लेकर श्रद्धालु पैदल रथ यात्रा करते हुए अमरकंटक के लिए रवाना हुए। मां दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन के उद्देश्य से निकली इस धार्मिक यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हैं। मां दुर्गा के जयकारों के साथ आगे बढ़ रही यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं का स्वागत किया जा रहा है और उनके लिए सेवा एवं भोजन की व्यवस्था की जा रही है। इसी क्रम में देखल स्थित प्रसिद्ध सिद्ध बाबा हनुमान मंदिर में समाजसेवी आशीष मिश्रा ने पदयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत, वंदन और अभिनंदन किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए भोजन की व्यवस्था भी की। इस दौरान श्रद्धालुओं की सेवा के प्रति समर्पण और धार्मिक आस्था का भाव देखने को मिला। इस धार्मिक यात्रा में प्रेमचंद यादव, उमेश मिश्रा, समाजसेवी आशीष मिश्रा, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास पुरी, अजय यादव, अरविंद मिश्रा, संतोष



चौरसिया, दिनेश केवट और राहुल कुशवाहा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। जमुना कॉलरी से अमरकंटक तक निकली यह पैदल रथ यात्रा क्षेत्र में धार्मिक श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश दे रही है। श्रद्धालुओं का उद्देश्य अमरकंटक पहुंचकर विधि-विधान से मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन करना है। यात्रा के दौरान मिल रहे सहयोग और स्वागत से श्रद्धालुओं में उत्साह बना हुआ है।

अमरकंटक में 85 दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन, नम आंखों से भक्तों ने दी मां को विदाई

डीजे, ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमते रहे श्रद्धालु

रावण दहन के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का दिया संदेश; हजारों की संख्या में उमड़े लोग



अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में विजयादशमी का पर्व धार्मिक आस्था, उल्लास और परंपराओं के साथ मनाया गया। एक ओर भगवान श्रीराम के जयकारों के बीच रामघाट में रावण के पुतले का दहन कर असत्य पर सत्य की जीत का संदेश दिया गया, वहीं दूसरी ओर मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान पूरा नगर भक्तिमय नजर आया। प्रशासन के अनुसार, अमरकंटक एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लाई गई कुल 85 दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन पुष्कर बांध के समीप बनाए गए कुंड में किया गया। विसर्जन का सिलसिला विजयादशमी से शुरू होकर देर रात तक चलता रहा और कुछ प्रतिमाओं का विसर्जन दशमी के अगले दिन तक जारी रहा। मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए श्रद्धालु भव्य झांकियों और साज-सज्जा के साथ नगर के विभिन्न मार्गों से निकले। डीजे, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज के बीच भक्तों की टोलियां नाचते-गाते हुए आगे बढ़ती रहीं। इस दौरान जय माता दी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मां दुर्गा से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। भक्तों ने अपनी मनोकामनाएं मां के समक्ष रखते हुए अगले वर्ष फिर से आने की प्रार्थना की। विसर्जन के समय श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना और सेवा में जुटे भक्तों ने भावुक मन से मां को विदाई दी। विसर्जन स्थल पर धार्मिक रीति-रिवाजों और पूजन-पाठ के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। अमरकंटक के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला।<दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन से पहले रामघाट में विजयादशमी के अवसर पर रावण दहन का आयोजन किया गया। असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस पारंपरिक आयोजन को देखने के लिए हजारों की संख्या में स्थानीय नागरिक और श्रद्धालु पहुंचे। रावण के पुतले का दहन होते ही भगवान श्रीराम के जयकारे गूंज उठे। उपस्थित लोगों ने इस परंपरा के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को स्मरण किया। कार्यक्रम के दौरान शांति कुटी आश्रम के महंत रामभूषण दास जी मंच पर पहुंचे। उन्होंने भगवान श्रीराम का गुणगान करते हुए रावण के अंत से जुड़ी कथा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि विजयादशमी का पर्व हमें असत्य पर सत्य की जीत और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देता है। मनुष्य को अपने भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध और बुराइयों रूपी रावण का अंत करना चाहिए तथा भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विजयादशमी केवल रावण दहन का पर्व नहीं, बल्कि अपने आचरण में सकारात्मक बदलाव लाने और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला अवसर भी है। विजयादशमी के अवसर पर रावण दहन और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान पुलिस एवं प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। भीड़ को देखते हुए पुलिस बल तैनात रहा और यातायात को सुचारू बनाए रखने के प्रयास किए गए। प्रशासनिक अमला भी आयोजन के दौरान मुस्तैद रहा। धार्मिक उत्साह और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी के बावजूद दोनों आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। अमरकंटक में विजयादशमी के अवसर पर रावण दहन और मां दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन ने धार्मिक आस्था, सामाजिक सहभागिता और भारतीय संस्कृति की परंपराओं को जीवंत कर दिया। भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाने और मां दुर्गा से सुख-समृद्धि की कामना के साथ श्रद्धालुओं ने पर्व को भावपूर्ण वातावरण में मनाया।

राजनगर में धूमधाम से मना विजयादशमी पर्व, जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा नगर

आकर्षक दुर्गा पंडालों और रंग-बिरंगी रोशनी ने मोहा मन

बंगाली समाज की महिलाओं ने सिंदूर खेला कर मां दुर्गा को दी भावभीनी विदाई



राजनगर। राजनगर में मंगलवार को विजयादशमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नौ दिनों तक चले शारदीय नवरात्रि महोत्सव के समापन पर पूरा नगर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। जगह-जगह सजे दुर्गा पूजा पंडालों, आकर्षक विद्युत सजावट और धार्मिक आयोजनों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। नगर में जय श्रीराम और जय माता दी के जयकारे गूंजते रहे। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र में इस वर्ष दुर्गा पूजा और दशहरा महोत्सव को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। नगर की विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों ने आकर्षक पंडालों, मां दुर्गा की सुंदर प्रतिमाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी सहभागिता निभाई। शांतिनगर दुर्गा पूजा पंडाल, न्यू राजनगर दुर्गा पूजा पंडाल, गोपाल पंडाल, बाबू लाइन बंगाली दुर्गा पूजा पंडाल, दुर्गा मंदिर बाजार दफाई तथा राजनगर बस स्टैंड सहित विभिन्न स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। सभी पूजा पंडालों में आकर्षक झांकियां, रंग-बिरंगी लाइटिंग और साज-सज्जा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। नौ दिनों तक पूजा-अर्चना और धार्मिक आयोजनों के बाद विजयादशमी पर मां दुर्गा को विदाई देने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इस बार नगर क्षेत्र में तीन जगह रावण के पुतले का दहन हुआ। जिसमें प्रमुख रूप से गोपाल पंडाल राजनगर, राजनगर बस स्टैंड तथा शांतिनगर पंडाल की समितियां द्वारा रावण के पुतले का दहन किया गया।

बंगाली समाज की महिलाओं ने खेला सिंदूर, मां दुर्गा को दी विदाई

नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के वार्ड क्रमांक 5 स्थित बंगाली दुर्गा पूजा पंडाल में बंगाली समाज द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव मनाया गया। महोत्सव के अंतिम चरण में बुधवार को महिलाओं ने पारंपरिक सिंदूर खेला की रस्म निभाते हुए मां दुर्गा को भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर बंगाली समुदाय की सुहागिन महिलाएं लाल परिधानों में सजकर पूजा पंडाल पहुंचीं। ढोल की थाप के बीच महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया और पारंपरिक अंदाज में नृत्य कर उत्सव की खुशियां मनाईं। महिलाओं ने मां दुर्गा के गालों पर पान के पत्तों से स्पर्श कर उनके माथे और मांग में सिंदूर अर्पित किया तथा परिवार की सुख-समृद्धि और अपने सुहाग की लंबी उम्र की कामना की। मां दुर्गा को पान और मिठाई का भोग लगाया गया। इस दौरान महिलाओं ने मां से अगले वर्ष पुनः आगमन की प्रार्थना करते हुए भावुक मन से विदाई दी। वहीं, कुंवारी कन्याओं को भी शुभकामनाओं के साथ सिंदूर लगाया गया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की गई। बंगाली समाज की इस पारंपरिक रस्म ने पूजा पंडाल में उत्साह, श्रद्धा और भावनात्मक माहौल को और भी खास बना दिया। सिंदूर खेला के साथ ही मां दुर्गा की विदाई का दृश्य श्रद्धालुओं के लिए आस्था और भावनाओं से जुड़ा यादगार क्षण बन गया।

खबर संक्षेप



कलेक्टर ने सीएमओ बुढार सौरभ श्रीवास्तव को सौंपा बकहो नगर परिषद का अतिरिक्त प्रभार

बुढ़ार। प्रशासनिक कार्य सुविधा को सुचारू बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, नगर परिषद बुढार के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) सौरभ श्रीवास्तव को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ नगर परिषद बकहो के मुख्य नगरपालिका अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस व्यवस्था से बकहो नगर परिषद के प्रशासनिक कार्यों में तेजी आने और नागरिक सुविधाओं का बेहतर संचालन होने की उम्मीद है। श्री श्रीवास्तव अब अपने मूल पद के साथ-साथ बकहो नगर परिषद की कमान भी संभालेंगे।

शहीदों को दी श्रद्धांजलि, परिजनों का किया सम्मान

कटनी। कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिस जवानों की स्मृति में बुधवार को पुलिस लाइन झिंझरी स्थित शहीद स्मारक पर 'पुलिस स्मृति दिवस परेड' का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर सपूतों को नमन किया।कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य ने देशभर में बीते एक वर्ष के दौरान कर्तव्य पथ पर शहीद हुए 154 पुलिसकर्मियों के नामों का वाचन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। नामावली वाचन के उपरांत परेड दल द्वारा अमर शहीदों को शस्त्र झुकाकर 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया और शोक सलामी दी गई। समारोह में कटनी जिले के 13 अमर शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को आमंत्रित कर शाल व श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। उपस्थित अधिकारियों ने परिजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। आयोजन में कलेक्टर आशीष तिवारी, एएसपी कमल मौर्य, जनप्रतिनिधि दीपक टंडन, अशोक विश्वकर्मा, एसडीएम जितेंद्र पटेल, डीएसपी रत्नेश मिश्रा, डीएसपी आकांक्षा चतुर्वेदी, रक्षित निरीक्षक सपना त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शराब की अवैध बिक्री के खिलाफ निकाला मोर्चा

कटनी। बड़वारा के ग्राम नन्हवारा सेझा में महिलाओं ने गांव में लगातार बढ़ रही शराब की बिक्री और उसके दुष्प्रभावों से परेशान होकर शराबबंदी की मांग को लेकर एक बड़ा मोर्चा निकाला। महिलाओं का कहना है कि गांव में धड़ल्ले से बिक रही शराब के कारण कई परिवार बर्बादी की कगार पर पहुंच गए हैं। शराब की लत के चलते घरों में आर्थिक तंगी तो बढ़ ही रही है, साथ ही घरेलू कलह और हिंसा का माहौल भी पैदा हो रहा है। महिलाओं ने यह भी चेताया कि इसका सबसे बुरा असर मासूम बच्चों के भविष्य और उनके लालन-पालन पर पड़ रहा है।

सरकारी जमीन और कुएं पर अवैध कब्जे को हटाने मांग

कटनी। बड़वारा कलां स्थित सराफा मार्केट में सरकारी जमीन और सार्वजनिक उपयोग के कुएं पर अवैध कब्जे का मामला गरमा गया है। इस विवाद को लेकर पुलिस ने जहां एक तरफ चार महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है, वहीं दूसरी तरफ ग्राम पंचायत व क्षेत्रवासियों ने भी तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की मांग की है। ग्राम पंचायत बड़वारा के सरपंच और क्षेत्रवासियों द्वारा तहसीलदार को दिए गए आवेदन के अनुसार सराफा मार्केट स्थित खसरा नंबर 170 (आबादी भूमि) पर स्थित शासकीय कुएं और भूमि पर एक व्यक्ति द्वारा लोहे की बाउंड्री और शेड लगाकर कब्जा कर लिया गया है।

यार्ड में खड़े वाहनों के 18 बैटरियां सहित ढाई लाख का सामान चोरी, चार आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने करीब एक लाख रुपये का चोरी का माल बरामद किया, तीन आरोपी न्यायालय और विधि-विरुद्ध बालक किशोर न्यायालय में पेश

नगर निरीक्षक खेम सिंह प्रेंद्रो के तत्परता से हुआ खुलासा





बुढ़ार। थाना बुढ़ार क्षेत्र में बिरासिनी मंदिर के समीप पेट्रोल पंप के पास स्थित मैको कॉर्पोरेशन के वाहन यार्ड से 18 बैटरियां सहित करीब 2.50 लाख रुपये कीमत के वाहन संबंधी सामान चोरी होने के मामले का पुलिस ने खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से आठ बैटरियां, तीन हेलमेट, जैक सहित अन्य सामान, कुल करीब एक लाख रुपये कीमत का, बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार मैको कॉर्पोरेशन में प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर के पद पर कार्यरत अभिलाष कुमार ने 20 अक्टूबर को थाना बुढ़ार में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि कंपनी के वाहन प्रकाश पेट्रोल पंप के पास स्थित यार्ड में खड़े किए जाते हैं। 19 अक्टूबर की शाम करीब 6 बजे सभी वाहनों को परिसर में खड़ा कर यार्ड का गेट बंद कर कर्मचारी सो गए थे।

अगली सुबह करीब 8 बजे चालक प्रदीप कुमार ट्रेलर हटाने पहुंचा तो उसमें लगी दो बैटरियां गायब मिलीं। इसके बाद यार्ड में खड़े आठ ट्रेलर और क्रेन की जांच की गई, जिसमें कुल 18 एक्साइड कंपनी की बैटरियां नहीं मिलीं। इसके अलावा जैक, राड, रिंच-पाना, चैन, डिस्कल, बेल्ट, क्रेन का डिस्प्ले और डीजल सहित अन्य सामान भी गायब पाया गया। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 2.लाख 50 हजार रुपये आंकी है। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक खेम सिंह पेंद्रो के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर संदेहियों की तलाश शुरू की गई। नगर निरीक्षक का कहना है कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कमल सिंह भदौरिया, मोबीन खान और अलीशान खान से पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान चोरी की घटना से संबंधित सामग्री बरामद हुई। मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक तीन आरोपियों को न्यायालय बुढ़ार में पेश किया गया, जबकि विधि-विरुद्ध बालक काव्य केवट उर्फ लल्ला को किशोर न्यायालय शहडोल में पेश किया गया है। मामले में पुलिस द्वारा अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी के निर्देशन में उपनिरीक्षक रजनीश तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक क्लामेंट जॉन, सहायक उपनिरीक्षक राजा भैया बागरी, सहायक उपनिरीक्षक गिरीश शुक्ला, प्रधान आरक्षक अमर बागरी, प्रधान आरक्षक दशरथ सहित थाना बुढ़ार के पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विजयादशमी पर्व पर स्लीमनाबाद व बहोरीबंद थाना में किया शस्त्र पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद



विजयादशमी के पावन पर्व पर मंगलवार को स्लीमनाबाद व बहोरीबंद थाना में आयोजित भव्य शस्त्र पूजन कार्यक्रम में परम्परागत शौर्य परम्परा का निर्वहन करते हुए हिस्सा लिया।इस अवसर पर थाना प्रभारी ने शक्ति, साहस और विजय के प्रतीक के रूप में शस्त्रों का विधि-विधान और शास्त्रोक्त मंत्रोच्चार के बीच,हवन अनुष्ठान कर शस्त्र -पूजन किया।

थाना प्रभारी ने कहा कि विजयादशमी केवल बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व ही नहीं, बल्कि यह शौर्य, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देने वाला उत्सव है। शस्त्र केवल युद्ध का साधन नहीं, बल्कि अनुशासन और मर्यादा के प्रतीक भी हैं।हमारी पुलिस और सुरक्षा बल इन्हीं शस्त्रों के माध्यम से समाज की रक्षा का संकल्प लेते हैं। इस परंपरा का संरक्षण करना हम सबका दायित्व है। उन्होंने शस्त्र पूजन की परंपरा को और व्यापक रूप में मनाने के लिए नई सोच और नए संकल्प के साथ इसे आगे बढ़ाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि शस्त्र और सैनिक एक दूसरे के पर्याय है। भारतीय परम्परा में शिव और शक्ति को एक ही माना गया है। कार्यक्रम के प्रारंभ में एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी ने कहा कि शस्त्र पूजन की परंपरा पुलिस बल में उत्साह और कर्तव्यनिष्ठा का संचार करती है। विजयादशमी का पर्व पुलिस बल को शौर्य, पराक्रम और सेवा भाव के साथ जनता की सुरक्षा के लिए सदैव तैयार रहने की प्रेरणा देता है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विजयादशमी पर्व: बुढार के नेहरू महाविद्यालय ग्राउंड में हुआ भव्य 50 फिट ऊंचे रावण का दहन





बुढार। नगर में विजयादशमी का पर्व बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। भारतीय जन चेतना दशहरा उत्सव समिति के तत्वावधान में शासकीय नेहरू महाविद्यालय ग्राउंड में भव्य रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें शामिल होने के लिए आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी भारी संख्या में लोग पहुंचे।

भव्य आतिशबाजी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

कार्यक्रम के दौरान नेहरू महाविद्यालय ग्राउंड में आकर्षक और भव्य आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया। साथ ही, जबलपुर से आए अनिल समुद्रे टीम के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए मनमोहक भक्ति संगीत ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

गणमान्य अतिथियों की रही उपस्थिति

इस शानदार आयोजन में क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से जैतपुर विधायक - जयसिंह मरावी, धनपुरी नगरपालिका अध्यक्ष - रविंदर कौर छाबड़ा, उपाध्यक्ष - हनुमान खंडेलवाल, बुढार नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष -कैलाश विशनानी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता - बलमीत सिंह खनूजा, शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति - मुकेश तिवारी, पूर्व सीएमओ - रविकरण त्रिपाठी, बृजेंद्र सिंहअन्य गणमान्य - विकास अग्रवाल, अमित जैन, अर्जुन सोनी रम्मू सोनी सहित नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल के खिलाड़ी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में निभायेंगे अपनी सहभागिता



बुढ़ार। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, के खिलाड़ी दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता में हिस्सा लेने यहां से प्रस्थित हुये। डी.ए.वी. विद्यालय के लिए गौरव का विषय है कि विद्यालय के 45 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर की त्रिदिवसीय विद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता हेतु हुआ है।

यह प्रतियोगिता 24 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2026 तक दिल्ली स्थित एन.सी.आर. में होगी। यह प्रतियोगिता डी.ए.वी. कॉलेज प्रबंध समिति द्वारा आयोजित करायी गई है, जो भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय से संबद्ध है, जिसमें देशभर के सभी राज्यों से चयनित विजेता खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

डी.ए.वी. विद्यालय के प्राचार्य विनय मोहन उरमलिया ने उक्ताशय की जानकारी देते हुए बताया कि- पिछले वर्ष विद्यालय से लगभग 22 खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर भाग लिया था, इस वर्ष यह संख्या लगभग दोगुनी होकर 45 हो गई है, जो विद्यालय परिवार के लिए हर्ष और गौरव का विषय है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यालय के चैयरमैन छोटेलाल सरावगी ने अपने आशीर्वचन में कहाकि- डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने एवं जीवन में नई ऊंचाइयाँ प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है, उसी में से एक है खेलकूद। श्री सरावगी ने कहाकि- पहले खेलकूद को केवल मनोरंजन के लिए जाना जाता था, पर आज इस मोबाइल, फोन की दुनिया में शारीरिक स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए खेलकूद अत्यंत आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य भी हो गया है। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, प्राचार्य एवं अभिभावकों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं हैं। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, मध्यप्रदेश के परिक्षेत्रीय अधिकारी एस.के. सिन्हा ने कहाकि- राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले डी.ए.वी. बुढार के खिलाड़ियों की यह संख्या अभी तक की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि है। विषम परिस्थितियों में भी विद्यालय संयम और अनुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को हृदय से आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे जीवन में आगे बढ़ें और अपने माता-पिता, विद्यालय का नाम गौरवान्वित करें।खेलकूद प्रतियोगिता में बालिका वर्ग अंडर 14 वर्ष -एथलेटिक्स में सृष्टि, कुमकुम गुप्ता, हर्षिता पाण्डेय तथा बालक वर्ग अंडर-19 वर्ष एथलेटिक्स में शुभ कुमार तिवारी, मो. साइब, आयुष प्रताप सिंह, अक्षय त्रिपाठी, आदित्य नारायण सिंह एवं बालक वर्ग अंडर-14 वर्ष फुटबॉल में अभिमन्यु सिंह धुर्वे, रुद्र चक्रवर्ती, आयुष बर्मन, गुलशन प्रजापति, मनीष सिंह राठौर, अतुल बैगा, शिवाकांत प्रजापति तथा योगा बालक वर्ग अंडर-14 वर्ष में शुभ जैन, आयुष जायसवाल, अनुशासित गुप्ता, छत्रसाल सिंह, अंश सोनी एवं कलात्मक एकल योगा अंडर-14 वर्ष बालक वर्ग में - शुभ जैन तथा बालिका वर्ग अंडर 14 वर्ष वॉलीबॉल में-आद्या मौर्य, कनिका जैन, विभूति वोरा, स्मृति विश्वकर्मा, प्रियल बरगाही, जितस्कृता माँझी, नियति पटेल, हैंडबॉल बालक वर्ग अंडर-14 वर्ष में हार्दिक गुप्ता, सुशांत सिंह, रणवीर सिंह, माहिप पटेल, अमित सिंह बरगाही, हैंडबॉल बालक वर्ग अंडर-19 वर्ष में रोहित जसवानी, रुद्र अवतार तिवारी, अनय गुप्ता, हरलेक सिंह छाबड़ा, शिवम चौधरी, अंश कुमार साहू, शिवम गुप्ता का चयन किया गया है, जो खेलकूद प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करेंगे।खिलाड़ियों के दल के साथ मार्गदर्शक के रूप में क्रीड़ा शिक्षक रणजीत यादव, सुश्री प्रियंका सिंह, श्रीमती भुमिका वोरा, सुश्री रुचि गुप्ता एवं नवनीत शर्मा दिल्ली के लिए प्रस्थित हुये हैं।

पुलिस लाइन में राज्यमंत्री पटैल ने किया शस्त्र पूजन



हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

विजयादशमी का पर्व केवल अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का उत्सव नहीं, बल्कि शक्ति के सदुपयोग, कर्तव्य के निर्वहन और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने के संकल्प का भी प्रतीक है। इसी भावधारा के साथ मंगलवार, 20 अक्टूबर को झिंझरी स्थित पुलिस लाइन में शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार, आनंद विभाग लखन पटेल ने वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-अनुष्ठान और पारंपरिक विधि-विधान के बीच शस्त्रों का पूजन किया। इस अवसर पर बड़वारा विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, कलेक्टर आशीष तिवारी और पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने भी शस्त्रों की आराधना कर जनसुरक्षा, कर्तव्यनिष्ठा और धर्म की रक्षा के संकल्प को अभिव्यक्त किया।भारतीय सनातन परंपरा में विजयादशमी पर शस्त्र पूजन का विशेष महत्व है। शास्त्रीय मान्यताओं में शस्त्र केवल सामर्थ्य और पराक्रम के प्रतीक नहीं, बल्कि धर्म की रक्षा, अन्याय के प्रतिकार और निर्बलों की सुरक्षा के साधन माने गए हैं। शस्त्र पूजन का मूल भाव शक्ति के प्रति श्रद्धा के साथ उसके विवेकपूर्ण और मर्यादित उपयोग का संकल्प लेना है।

भगवान श्रीराम की रावण पर विजय की स्मृति से जुड़ा दशहरा पर्व यह संदेश देता है कि अंततः विजय सत्य, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने वालों की होती है। यही भावना शस्त्र पूजन को आध्यात्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व से भी जोड़ती है।

राज्यमंत्री लखन पटेल ने दशहरा पर्व पर शस्त्र पूजन की सनातन परंपरा का उल्लेख करते हुए प्रदेशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस परंपरा को भारतीय संस्कृति, शौर्य और कर्तव्यबोध से जुड़ा महत्वपूर्ण अवसर बताया।

जनसुरक्षा के संकल्प के साथ पुलिस बल ने की शस्त्र आराधना

पुलिस और सुरक्षा बलों के लिए शस्त्र पूजन का विशेष महत्व है। यह आयोजन कानून-व्यवस्था बनाए रखने, नागरिकों की सुरक्षा करने और संकट के समय कर्तव्य का निर्वहन करने की जिम्मेदारी का स्मरण कराता है। विजयादशमी पर पुलिस लाइन के शस्त्रागार सहित जिले के विभिन्न थानों में भी विधि-विधान से शस्त्र पूजन किया गया। कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, एसडीएम जितेंद्र पटेल, रामरतन पायल, पीतांबर टोपनानी, तहसीलदार अजीत तिवारी सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में बेरोजगार युवाओं की काउंसलिंग व स्वरोजगार योजनाओं के लगेंगे स्टॉल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 28 अक्टूबर को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय कटनी में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले की तैयारियों और सफल संचालन के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को आवंटित कार्यों के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर उनकी सूची नोडल अधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि रोजगार मेले की व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जा सकें।जारी आदेश के अनुसार, जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर को कार्यक्रम का जिला स्तरीय नोडल अधिकारी बनाया गया है, जबकि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को मेला स्थल पर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला रोजगार अधिकारी कंपनियों से संपर्क कर उन्हें आमंत्रित करेंगे, उनकी सहमति प्राप्त करेंगे, रिक्त पदों की जानकारी संकलित करेंगे।

खबर संक्षेप



अमरकंटक में मारपीट की दो घटनाएं, पुलिस ने दर्ज किए अलग-अलग अपराध

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में 21 अक्टूबर 2026 को मारपीट की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आईं। पहली घटना नर्मदा मंदिर के समीप नारियल-प्रसाद की दुकान के सामने चंदन-टीका लगाने को लेकर हुए विवाद से संबंधित है। वहीं दूसरी घटना दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान शांति कुटी के सामने नाच-गाने के बीच धक्का देने की बात को लेकर हुई। दोनों मामलों में फरियादियों की शिकायत पर अमरकंटक पुलिस ने अलग-अलग अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 21 अक्टूबर को नर्मदा मंदिर के समीप नारियल-प्रसाद की दुकान संचालित करने वाले शेषनारायण चंद्रवंशी की दुकान के सामने चंदन-टीका लगाने की बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान फरियादी संतोष प्रसाद, पिता छोटा चंद्रवंशी, के साथ मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना के बाद संतोष प्रसाद ने अमरकंटक पुलिस थाने पहुंचकर शेषनारायण चंद्रवंशी के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 184/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2) एवं 351(2) के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।दूसरी घटना 21 अक्टूबर की मध्यरात्रि लगभग 12:30 बजे की बताई गई है। जानकारी के अनुसार, फरियादी घनश्याम बघेल, पिता संतोष बघेल, दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान शांति कुटी के सामने चल रहे नाच-गाने के कार्यक्रम में शामिल थे। इसी दौरान धक्का देने की बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि इस विवाद में दुगल डोंगरे, आकाश डोंगरे एवं विकास डोंगरे, तीनों भाइयों ने घनश्याम बघेल के साथ मारपीट की। घटना के बाद घनश्याम बघेल ने अमरकंटक थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपराध क्रमांक 185/26 के तहत बीएनएस की धारा 296, 115(2) एवं 351(2) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। अमरकंटक में एक ही दिन सामने आई मारपीट की दोनों घटनाओं में पुलिस ने फरियादियों की शिकायत पर अलग-अलग अपराध दर्ज किए हैं। फिलहाल दोनों मामलों में विवेचना जारी है। पुलिस जांच के बाद घटनाओं से संबंधित तथ्यों और परिस्थितियों की स्थिति स्पष्ट होगी।

पत्नी की हत्या कर शव घसीटकर कमरे में ले गया पति, गोबर से पुताई कर छिपाए खून के निशान

मायके जाने की बात पर हुआ विवाद, बांस के डंडे से हमला करने का आरोप

सुबह मां लौटी तो बहू का शव देखकर रोने लगी

अनूपपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरौध के टिकई टोला में घरेलू विवाद के दौरान पत्नी की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि पति ने बांस के डंडे से हमला कर पत्नी की जान ले ली। घटना के बाद आरोपी को तत्काल पत्नी की मौत का अहसास नहीं हुआ। वह शव को घसीटकर कमरे में ले गया और नशे की हालत में उसके पास ही सो गया। गुरुवार सुबह उठने पर सिर और कमरे में खून के निशान देखकर उसे पत्नी की मौत का पता चला। इसके बाद उसने गोबर से पुताई कर खून के निशान छिपाने की कोशिश की, लेकिन वह पूरी तरह सफल नहीं हो सका। घटना की जानकारी मिलने पर गांव में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

पांच साल पहले हुआ था विवाह

जानकारी के अनुसार, चंदा देवी कोल का विवाह करीब पांच वर्ष पहले सुदामा अगरिया (26) के साथ हुआ था। बताया जाता है कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे और बाद में उन्होंने विवाह कर लिया था। शादी के बाद चंदा के बार-बार मायके जाने को लेकर पति-



पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। बताया जा रहा है कि बुधवार रात करीब 9 बजे सुदामा कथित तौर पर नशे की हालत में घर पहुंचा। इस दौरान पत्नी के बार-बार मायके जाने की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने कथित रूप से बांस के डंडे से चंदा पर कई वार कर दिए। सिर में



गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई।

शव देखकर रोने लगी सास

पुलिस के अनुसार, चंदा की मौत के बाद सुदामा को तत्काल इसका अहसास नहीं हुआ। वह शव को घसीटकर कमरे में ले गया और उसके पास ही सो गया। गुरुवार सुबह उठने पर उसने चंदा के सिर और कमरे में खून के निशान देखे। इसके बाद उसे पत्नी की मौत का पता चला। उसने कमरे में गोबर से पुताई कर खून के निशान मिटाने का प्रयास किया, लेकिन निशान पूरी तरह नहीं छिप सके। बताया गया कि गुरुवार सुबह सुदामा की मां दोनों बच्चों को लेकर घर लौटीं। कमरे में बहू चंदा का शव देखकर वह रोने लगीं। उनकी आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। घर में खून के निशान और शव देखकर ग्रामीणों ने सुबह करीब 10 बजे पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस, आरोपी गिरफ्तार

सूचना मिलने पर कोतमा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा भेजा। पुलिस ने आरोपी पति सुदामा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के अनुसार, सूचना मिलने पर कोतमा पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद टिकई टोला में शोक और सनसनी का माहौल है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री चंद्रशेखर का 23 अक्टूबर को अनूपपुर, शहडोल और उमरिया प्रवास

तीनों जिलों में जिला वृहद बैठक और कोर कमेटी की बैठकों में होंगे शामिल

अनूपपुर।

भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री चंद्रशेखर 23 अक्टूबर को अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया जिले के प्रवास पर रहेंगे। उनके प्रवास कार्यक्रम के अनुसार वे तीनों जिलों में पार्टी



पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठकें करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री चंद्रशेखर 22 अक्टूबर की रात्रि 10:10 बजे भोपाल से नर्मदा एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 18233) से अनूपपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। वे 23 अक्टूबर को प्रातः 10:31 बजे अनूपपुर पहुंचेंगे। अनूपपुर में दोपहर 12:30 बजे जिला वृहद बैठक तथा दोपहर 1:30 बजे जिला कोर कमेटी की बैठक में शामिल होंगे। इसके पश्चात दोपहर 3 बजे अनूपपुर से शहडोल के लिए प्रस्थान करेंगे। शाम 4 बजे शहडोल पहुंचकर जिला वृहद बैठक में शामिल होंगे। शाम 6 बजे जिला कोर कमेटी की बैठक के बाद शाम 7 बजे शहडोल से उमरिया के लिए रवाना होंगे। रात्रि 8'30 बजे बांधवगढ़, जिला उमरिया पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे। प्रवास के अगले दिन 24 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे उमरिया में जिला वृहद बैठक तथा दोपहर 3:30 बजे जिला कोर कमेटी की बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद शाम 4:26 बजे नर्मदा एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 18234) से उमरिया से प्रस्थान करेंगे। अनूपपुर भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने प्रदेश महामंत्री संगठन के आगमन को लेकर भाजपा के सभी अपेक्षित कार्यकर्ता और पदाधिकारीयों से अपेक्षा की है कि वह समय पर उपस्थित होकर बैठक में शामिल हो। उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई।

दशहरे की खुशियां मातम में बदलीं, दो हादसों में दो युवकों की मौत

रावण दहन देखकर लौट रहे 21 वर्षीय प्रिंस की बाइक खंभे से टकराई







विसर्जन से लौट रहे 24 वर्षीय शुभम पर चढ़ा ट्रॉली का पहिया, एक अन्य युवक गंभीर

कोतमा। दशहरा पर्व पर कहीं रावण दहन देखकर घर लौट रहे युवक की जिंदगी सड़क हादसे में थम गई, तो कहीं मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के बाद लौट रहे श्रद्धालु की मौत ने उत्सव को मातम में बदल दिया। कोतमा क्षेत्र में त्योहार के दौरान हुए दो अलग-अलग हादसों में 21 वर्षीय प्रिंस गुप्ता और 24 वर्षीय शुभम बुनकर की जान चली गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों घटनाओं से बदरा और कोतमा क्षेत्र में शोक की लहर है। एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय के पास 21 अक्टूबर की रात करीब 11:30 बजे मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर खंभे से टकरा गई। हादसे में बाइक पर पीछे बैठे बदरा बस स्टैंड निवासी प्रिंस गुप्ता (21), पिता गंगा गुप्ता की मौत हो गई, जबकि मोटरसाइकिल चला रहा 16 वर्षीय मोहित वर्मा, पिता राकेश वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक दशहरा पर्व पर रावण दहन देखने गए थे। कार्यक्रम के बाद मोटरसाइकिल से घर लौटते समय यह हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्रिंस को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल मोहित को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किया गया, जहां उसका उपचार जारी है। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद प्रिंस का शव परिजनों को सौंप दिया गया। त्योहार की खुशियों के बीच जवान बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

विसर्जन से लौट रहे शुभम पर चढ़ा ट्रॉली का पहिया

दूसरा हादसा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन से लौटते समय हुआ। कोतमा नगर के वार्ड क्रमांक 8 निवासी शुभम बुनकर (24) की ट्रैक्टर-ट्रॉली से गिरने के बाद पहिए के नीचे आने से मौत हो गई। घटना दशहरे के दिन देर रात करीब डेढ़ बजे केशवाही चौराहे के आगे मवेशी बाजार के पास हुई। बताया गया कि शुभम दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में शामिल होने के बाद श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से लौट रहा था। वह ट्रैक्टर के इंजन और ट्रॉली के बीच बैठा हुआ था। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर पड़ा और ट्रॉली का पिछला पहिया उसके ऊपर से गुजर गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुभम विसर्जन के दौरान अन्य श्रद्धालुओं के साथ नाच-गाकर उत्सव मना रहा था। कुछ ही देर में खुशियां मातम में बदल गईं। घटना की जानकारी मिलने पर तहसीलदार दशरथ सिंह और थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल सहित प्रशासनिक अमला घटनास्थल और अस्पताल पहुंचा। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। अंतिम संस्कार में सैकड़ों लोग शामिल हुए।

एक सप्ताह बाद धिरौल पहुंचा तेलंगाना में मृत मजदूर का शव

शासन-प्रशासन के प्रयास से गांव लाया गया शव



25 वर्षीय सुदामा बैगा की मौत से परिवार में मातम

अनूपपुर। रोजगार की तलाश में तेलंगाना गए अनूपपुर जिले के धिरौल गांव के 25 वर्षीय मजदूर सुदामा बैगा की मौत के एक सप्ताह बाद उसका शव गुरुवार सुबह गृह ग्राम पहुंचा। तेलंगाना में काम के दौरान हुए हादसे में जान गंवाने वाले युवक का शव गांव तक लाने के लिए ग्राम पंचायत के उपसरपंच प्रवीण सिंह ने पहल की। उनके प्रयासों के बाद जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, जिला प्रशासन और शासन स्तर पर संपर्क किया गया। इसके बाद शव को गांव तक पहुंचाने की व्यवस्था हो सकी। गुरुवार दोपहर मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनूपपुर तहसील अंतर्गत ग्राम धिरौल निवासी सुदामा बैगा पिता समयलाल बैगा पिछले दो वर्षों से तेलंगाना में रहकर एक कंपनी में मजदूरी कर रहा था। वह समय-समय पर तीज-त्योहारों पर अपने परिवार से मिलने गांव आता था। करीब एक सप्ताह पूर्व कंपनी में काम के दौरान अचानक गिरने से लोहे की रॉड उसके शरीर में घुस गई। हादसे के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

उपसरपंच की पहल पर शासन-प्रशासन तक पहुंचा मामला

दूसरे राज्य में मजदूरी करने गए युवक की मौत की जानकारी वहां काम कर रहे क्षेत्र के दो अन्य ग्रामीणों ने अपने गांव पहुंचकर ग्राम पंचायत के उपसरपंच प्रवीण सिंह को दी। इसके बाद श्री सिंह ने विभिन्न माध्यमों से घटना की जानकारी जुटाई और मृतक के शव को सुरक्षित गृह ग्राम तक लाने के लिए प्रयास शुरू किए। उन्होंने अनूपपुर के पूर्व विधायक एवं मध्यप्रदेश जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, कलेक्टर रत्नाकर झा सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को मामले से अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, शासन के प्रमुख सचिव, जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल तथा जिला प्रशासन के प्रयासों से बुधवार को मृतक के शव का परीक्षण कराया गया। इसके बाद मध्यप्रदेश शासन और जिला प्रशासन की ओर से शव वाहन की व्यवस्था की गई, जिससे गुरुवार सुबह शव धिरौल गांव पहुंच सका।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

कम उम्र में परिवार के भरण-पोषण के लिए दूसरे राज्य में मजदूरी करने गए सुदामा की आकस्मिक मौत से परिजनों और गांव में शोक का माहौल है। ग्राम पंचायत धिरौल की सरपंच सुखवा बैगा और उपसरपंच प्रवीण सिंह ने मृतक के जनजातीय परिवार को आर्थिक सहायता सहित अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

स्वास्थ्य विभाग में बड़ा प्रशासनिक फैसला, संलग्नीकरण आदेश निरस्त

अनूपपुर। जिले के स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों एवं कार्यालयों में संलग्न अधिकारी-कर्मचारियों को लेकर बड़ा प्रशासनिक फैसला सामने आया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला अनूपपुर द्वारा 20 अक्टूबर को जारी आदेश के तहत विभिन्न कार्यालयों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में किए गए संलग्नीकरण तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। जारी आदेश में संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को उनकी मूल पदस्थापना वाली संस्था में उपस्थित होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त आदेश के अनुसार, प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के 26 सितंबर के निर्देशों तथा स्वास्थ्य आयुक्तालय द्वारा 7 अक्टूबर को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों के पालन में यह कार्रवाई की गई है।

20 सूत्रीय मांगों पर 26 अक्टूबर तक कार्रवाई की चेतावनी आदिवासी कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन, 27 को धरना-प्रदर्शन

वर्षों से अधूरी सड़कों और बिजली-पानी की समस्याओं पर उठाए सवाल

अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ में वर्षों से अधूरी पड़ी सड़कें, बंद नल-जल योजनाएं, अघोषित बिजली कटौती और अधूरे निर्माण कार्यों को लेकर मध्यप्रदेश आदिवासी कांग्रेस ने शासन-प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं के निराकरण के लिए 20 सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए 26 अक्टूबर तक कार्रवाई की समय-सीमा तय की है। मांगों का निराकरण नहीं होने पर 27 अक्टूबर को धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी गई है। मध्यप्रदेश आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आशुतोष सिंह मार्को के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अनुविभागीय दंडाधिकारी, पुष्पराजगढ़ को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण की मांग की। संगठन का कहना है कि आदिवासी बाहुल्य पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में आज भी लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कई स्वीकृत निर्माण कार्य समय पर पूरे नहीं हो रहे हैं, जबकि कुछ कार्य स्वीकृति और टेंडर होने के बावजूद शुरू नहीं किए गए हैं। इससे क्षेत्र के विकास को लेकर शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आठ साल से निर्माणाधीन सड़क, दस साल पहले हुआ टेंडर- ज्ञापन में सड़क निर्माण में हो रही देरी को प्रमुखता से उठाया गया है। पटना, करपा, सरई और केलमनिया मार्ग आठ वर्षों से निर्माणाधीन होने का उल्लेख करते हुए इसका काम शीघ्र पूरा कराने की मांग की गई है। वहीं, लखौरा से बोदा पहुंच मार्ग का टेंडर दस वर्ष पहले होने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं होने का मुद्दा उठाया गया है। इसके अलावा लालपुर विश्वविद्यालय से करंगरा घाट होते हुए छत्तीसगढ़ तक, लीलाटोला-मेढ़ाखार-करपा, जैतहरी-शिवनी से मानिकपुर-वेंकटनगर, तुलरा मार्ग, अमदरी से मझौली तथा लेढ़रा मुख्य मार्ग से चिल्हियामार-गोदा पहुंच मार्ग सहित स्वीकृत सड़कों का निर्माण शीघ्र शुरू कराने की मांग की गई है। अमरकंटक मार्ग से बेनीबारी-दूधी तक सड़क की मरम्मत, हर्राटोला-फर्रीसेमर से नर्मदा नदी पुल तक करंजिया-डिंडौरी को जोड़ने वाले मार्ग को



स्वीकृति देने तथा जरही से भालूचुआ घाट कटिंग सहित सड़क निर्माण की मांग भी रखी गई है। अहिरगवां से बड़ी तुम्मी तक सड़क के दोनों ओर लैंटाना उन्मूलन, पटरी भराई और मरम्मत कार्य कराने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है।

बिना कनेक्शन बिजली बिल और अघोषित कटौती पर नाराजगी- बिजली संबंधी समस्याओं को लेकर संगठन ने बिना विद्युत कनेक्शन के भेजे जा रहे बिलों पर रोक लगाने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही अघोषित बिजली कटौती बंद करने की मांग करते हुए कहा गया है कि यदि किसी आवश्यक कारण से बिजली बंद करनी पड़े तो एक दिन पहले सूचना दी जाए और कटौती की अवधि भी स्पष्ट की जाए।

शिक्षा, पेयजल और रोजगार के मुद्दे भी शामिल

शिक्षा एवं जनसुविधाओं से जुड़ी मांगों में शासकीय - हाविद्यालय पुष्पराजगढ़ के पुराने भवन से नवीन भवन पटना तक बस सेवा शुरू कराने तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेनीबारी के नवीन भवन का अधूरा निर्माण पूरा कराने की मांग की गई है। बंद पड़ी ग्रामीण नल-जल योजनाओं को चालू कराने के साथ ही जिन पंचायतों से योजना शुरू हुए बिना बिजली बिल का भुगतान कराया गया है, उनकी राशि ग्राम पंचायतों को वापस दिलाने की मांग भी उठाई गई है। स्कूलों और छात्रावासों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी एवं अंशकालीन मजदूरों को पूर्णकालिक कर कलेक्टर दर से भुगतान देने की मांग की गई है।

लाड़ली बहनों की राशि बढ़ाने और पलायन रोकने की मांग- ज्ञापन में वंचित पात्र महिलाओं के नाम लाड़ली बहना योजना में जोड़ने तथा मासिक सहायता राशि बढ़ाकर 3,000 रुपये करने की मांग की गई है। गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों का त्वरित सर्वे कर पात्र परिवारों के नाम जोड़ने और मजदूरों का पलायन रोकने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में रोजगारमूलक निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग भी शामिल है। आदिवासी कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि ज्ञापन में उठाई गई समस्याओं का समाधान तय समय-सीमा में नहीं हुआ तो 27 अक्टूबर को धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन की प्रतिलिपि कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी पुष्पराजगढ़, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, महाप्रबंधक एमपीआरडीसी तथा थाना प्रभारी राजेंद्रग्राम को भी भेजी गई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला अध्यक्ष आशुतोष सिंह मार्को, पोषणलाल सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष एनएसयूआई जितेंद्र खंडे, संतोष पांडे, सरपंच अवधराज सिंह, ललतेश सिंह, भगत सिंह मसराम, प्रहलाद कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यायालय:- प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड अनूपपुर जिला अनूपपुर म.प्र.
Presiding Officer : श्री बॉबी सोनकर
RCSA/144/2026)
संतोष पटेल वगै. V/s शासन
Process Id-20/2026
प्रेषिती - पेशी दिनांक :- 31/10/2026
(1) आम जन अन्य जिससे संबंधित है।

यह कि प्रार्थी संतोष पटेल वगै. ने आपके विरूद्ध पेपर प्रकाशन के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीक 14/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है

बॉबी सोनकर
मुद्रा **न्यायालयप्रथम व्यवहार न्यायाधीश**
कनिष्ठ खण्ड अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें:- 1-यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।